

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२५

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: ०९/०५/२०२५

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
- प्र. २ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित विविध समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास के पुरुष पात्रों की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
- प्र. ४ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित सामाजिक स्थिति को स्पष्ट करके, उस में अभिव्यक्त किसान वर्ग के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु पर संक्षेप में लेख लिखिए।
- प्र. ६ 'गबन' में चित्रित चरित्रों के स्वभाव-विशेषों को सोदाहरण विवेचित कीजिए।
- प्र. ७ 'गबन' उपन्यास की तत्कालीन सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।
- प्र. ८ 'गबन' उपन्यास की विविध समस्याओं पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।
- १) हम को कुल प्रतिष्ठा इतनी प्यारी नहीं है महाराज, कि उसके पीछे एक जीव की हत्या कर डालते।
- २) अगर मेरे बेटे का बाल भी बाँका हुआ, तो घर में आग लगा दूँगी।
- ३) जो बात जिंदगी भर नहीं की, वह अब आखिरी वक्त नहीं कर सकता।
- ४) अभी तो तुम्हारा राज नहीं है, तब तो तुम भोग विलास पर इतना मरते हो, तुम्हारा राज आएगा तब तो तुम गरीबों को पीसकर पी जाओगे।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'गोदान' उपन्यास का गोबरधन
- २) 'गोदान' में शहर का चित्रण
- ३) 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य
- ४) जालपा का चरित्र ।